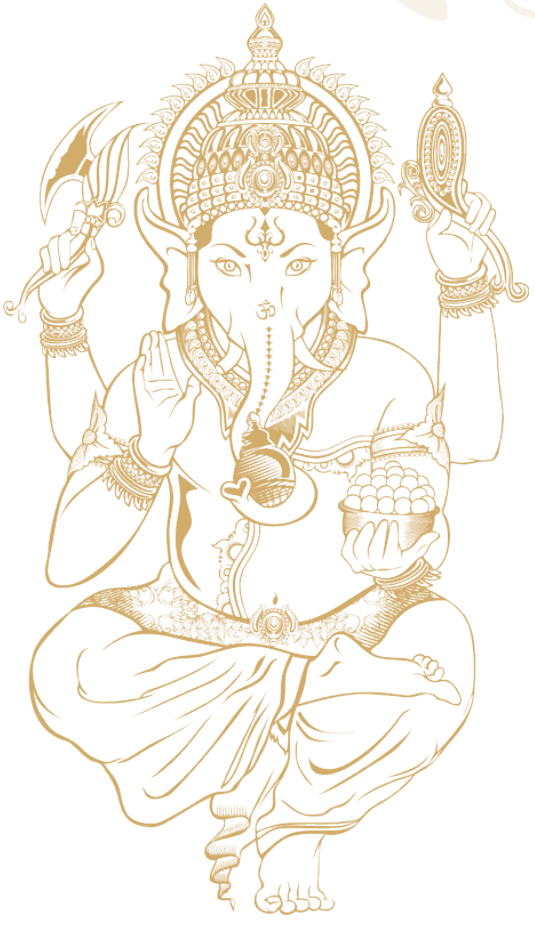

Vikash Anshuman

17 May 1995

03:40 PM

Ranchi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121240706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/05/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:40:00 घंटे**
इष्ट	26:22:58 घटी
स्थान	**Ranchi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:22:00 उत्तर
रेखांश	85:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:51:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	07:29:54 घंटे
सूर्योदय	05:06:48 घंटे
सूर्यास्त	18:23:35 घंटे
दिनमान	13:16:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:15:29 वृष
लग्न के अंश	26:45:30 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	26:45:30	327:34:57	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
सूर्य			वृष	02:15:29	00:57:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	08:26:04	14:57:07	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	02:36:56	00:25:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			वृष	22:38:13	00:33:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	18:35:07	00:07:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	06:45:02	01:12:43	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	28:57:46	00:04:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		तुला	11:42:01	00:02:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	11:42:01	00:02:16	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:37:09	00:00:35	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:39:16	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	05:31:27	00:01:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	26:59:29	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:42

लग्न-चलित

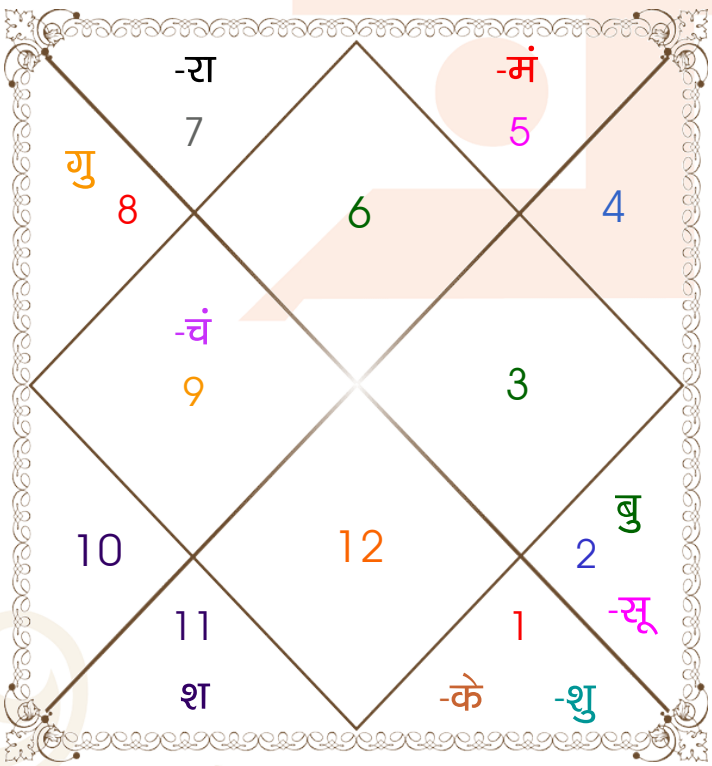

चन्द्र कुंडली

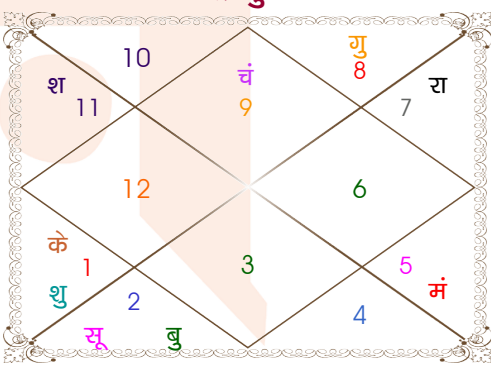

नवमांश कुंडली

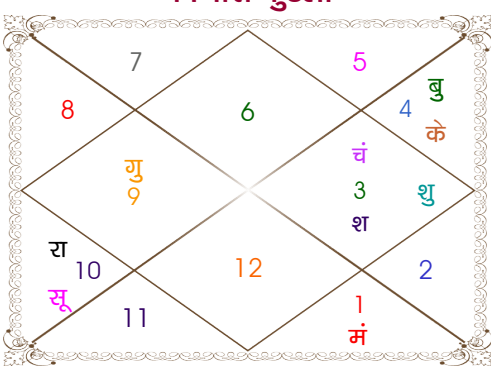

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/05/1995		12/12/1997		12/12/2017		12/12/2023		12/12/2033	
12/12/1997		12/12/2017		12/12/2023		12/12/2033		11/12/2040	
	00/00/0000	शुक्र	12/04/2001	सूर्य	31/03/2018	चंद्र	11/10/2024	मंगल	10/05/2034
	00/00/0000	सूर्य	12/04/2002	चंद्र	30/09/2018	मंगल	12/05/2025	राहु	28/05/2035
	00/00/0000	चंद्र	12/12/2003	मंगल	05/02/2019	राहु	11/11/2026	गुरु	03/05/2036
	00/00/0000	मंगल	10/02/2005	राहु	30/12/2019	गुरु	12/03/2028	शनि	12/06/2037
	00/00/0000	राहु	11/02/2008	गुरु	18/10/2020	शनि	12/10/2029	बुध	09/06/2038
	17/05/1995	गुरु	12/10/2010	शनि	29/09/2021	बुध	13/03/2031	केतु	05/11/2038
गुरु	06/11/1995	शनि	12/12/2013	बुध	06/08/2022	केतु	12/10/2031	शुक्र	05/01/2040
शनि	14/12/1996	बुध	11/10/2016	केतु	12/12/2022	शुक्र	12/06/2033	सूर्य	12/05/2040
बुध	12/12/1997	केतु	12/12/2017	शुक्र	12/12/2023	सूर्य	12/12/2033	चंद्र	11/12/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/12/2040		12/12/2058		12/12/2074		12/12/2093		13/12/2110	
12/12/2058		12/12/2074		12/12/2093		13/12/2110		00/00/0000	
राहु	24/08/2043	गुरु	29/01/2061	शनि	15/12/2077	बुध	09/05/2096	केतु	11/05/2111
गुरु	17/01/2046	शनि	12/08/2063	बुध	24/08/2080	केतु	06/05/2097	शुक्र	10/07/2112
शनि	23/11/2048	बुध	17/11/2065	केतु	03/10/2081	शुक्र	07/03/2100	सूर्य	15/11/2112
बुध	12/06/2051	केतु	24/10/2066	शुक्र	02/12/2084	सूर्य	12/01/2101	चंद्र	16/06/2113
केतु	30/06/2052	शुक्र	24/06/2069	सूर्य	14/11/2085	चंद्र	13/06/2102	मंगल	12/11/2113
शुक्र	01/07/2055	सूर्य	12/04/2070	चंद्र	15/06/2087	मंगल	10/06/2103	राहु	01/12/2114
सूर्य	24/05/2056	चंद्र	12/08/2071	मंगल	24/07/2088	राहु	28/12/2105	गुरु	18/05/2115
चंद्र	23/11/2057	मंगल	18/07/2072	राहु	31/05/2091	गुरु	04/04/2108		00/00/0000
मंगल	12/12/2058	राहु	12/12/2074	गुरु	12/12/2093	शनि	13/12/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 7 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।